चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-9-25	3	2-4

• एचएचबी 299, 67 संशोधित 2 एचएयू की हाइब्रिड बाजरा की किस्में हैं

एचएयू की हाइब्रिड बाजरा किस्मों को लेकर सीड्स कंपनी से एमओयू

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से इजाद हाइब्रिड बाजरा की उन्नत किस्में एचएचबी 299 और 67 संशोधित 2 को लेकर श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर सीड्स करनूल, आंध्रप्रदेश के साथ समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज ने बताया कि विवि के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा गत चार वर्षों के दौरान 50 से अधिक उन्नत किस्में विकसित की गई हैं।

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर सीड्स करनूल, आंध्रप्रदेश की कंपनी के साथ कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विवि से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा कंपनी से पी सीएच. शंकरप्पा ने हस्ताक्षर किए।

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी व विवि स्टाफ।

खासियत : एचएचबी 299 किस्म से अधिक पैदावारी मिलती है

- बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एचएचबी 299 किस्म में अन्य किस्मों की तुलना में अधिक पैदावार मिलती है तथा यह रोगरोधी भी है। यह बाजरा की अधिक लौह युक्त 73 पीपीएम संकर किस्म है। इसके सिट्टे शंक्वाकार व मध्यम लंबे होते हैं। एचएचबी 299 किस्म 80-82 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। अच्छा रखरखाव करने पर यह किस्म 49.0 मन प्रति एकड़ तक पैदावार देने की क्षमता रखती है। यह किस्म जोगिया रोगरोधी है।
- एचएचबी-67 संशोधित-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की थी। एचएचबी-67 संशोधित के नर जनक एच 77/833-2-202 को चिह्नित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी-67 संशोधित-2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण जैसे अतिशीघ्र पकना, शुष्क रोधिता, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता, अगेती, मध्यम व पछेती बुवाई के लिए उपयुक्तता आदि विद्यमान हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	4-9-25	9	5-8

चार वर्षों में 50 से अधिक उन्नत किस्में विकसित

उन्नत किस्मों के बीज के लिए हकृवि का आंध्रप्रदेश की कम्पनी से हुआ समझौता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों का बीज अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा इजाद की गई हाइब्रिड बाजरा की उन्नत किस्में एचएचबी 299 और 67 संशोधित 2 का श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर सीड्स करनूल, आंध्रप्रदेश के साथ समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

कुलपति प्रो.बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। विकसित की गई किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी अपना परचम लहरा रही है। उन्होंने बताया कि किसानों को कम लागत में अधिक पैदावार मिले इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा गत चार वर्षों के दौरान 50 से अधिक उन्नत किस्में विकसित की गई हैं।

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एचएचबी 299 किस्म में अन्य किस्मों की तुलना में अधिक पैदावार मिलती है तथा यह रोगरोधी भी है। यह बाजरा की अधिक लौह युक्त (73 पीपीएम) संकर किस्म है। इसके सिट्टे शंक्वाकार व मध्यम लंबे होते हैं। एचएचबी 299 किस्म 80-82 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। अच्छा रख रखाव करने पर यह किस्म 49.0 मन प्रति एकड़ तक पैदावार देने की क्षमता रखती है। यह किस्म जोगिया रोगरोधी है। इस

हिसार। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारी।

इस कंपनी के साथ हुआ समझौता

विश्वविद्यालय का श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर सीड्स करनूल, आंध्रप्रदेश की कंपनी के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा कंपनी से पी. सीएच. शंकरप्पा ने हस्ताक्षर किए।

अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, डॉ. विनोद मलिक, डॉ. रामअवतार, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणु मुंजाल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5-9-25	5	1-5

तकनीक

एचएचबी 299 और 67 संशोधित 2 का श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर सीड्स करनूल आंध्रप्रदेश के साथ किया एमओयू

बाजरे की उन्नत किस्मों के लिए एचएयू का आंध्र प्रदेश की कंपनी से करार

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से विकसित की गई उन्नत किस्मों का बीज अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय की हाइब्रिड बाजरा की उन्नत किस्में एचएचबी 299 और 67 संशोधित 2 का श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर सीड्स करनूल आंध्र प्रदेश के साथ समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि किसानों को कम लागत में अधिक पैदावार मिले। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

एचएयू के कुलपति के साथ कंपनी और विश्वविद्यालय के अधिकारी। स्रोत : आयोजक

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एचएचबी 299 किस्म में अन्य किस्मों की तुलना में अधिक पैदावार मिलती है औरयह रोगरोधी भी है। यह बाजरा की अधिक लौह युक्त (73 पीपीएम)संकर किस्म है। इसके सिट्टे शंक्वाकार व मध्यम लंबे होते हैं। एचएचबी 299 किस्म 80-82 दिनों में पककर तैयार हो जाती है।

अच्छा रख रखाव करने पर यह किस्म 49.0 मन प्रति एकड़ तक पैदावार देने की क्षमता रखती है। यह किस्म जोगिया रोगरोधी है। एचएचबी-67 संशोधित-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई थी।

एचएचबी-67 संशोधित के नर जनक एच 77/833-2-202 को चिह्नित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी-67 संशोधित-2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण जैसे अतिशीघ्र पकना, शुष्क रोधिता, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता, अगेती, मध्यम व पछेती बुवाई के लिए उपयुक्तता आदि विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमश: 20 मन तथा 52 मन प्रति एकड़ है।

यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व बाजरा की अन्य बीमारियों के रोगरोधी है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, डॉ. विनोद मलिक, डॉ. रामअवतार, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल व डॉ. जितेंद्र भाटिया उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-9-25	3	3-4

उन्नत किस्मों के बीज किसानों तक पहुंचाने के लिए आंध्रप्रदेश की कंपनी से समझौता

हिसार • विज्ञप्ति : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों का बीज अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा ईजाद की गई हाइब्रिड बाजरा की उन्नत किस्में एचएचबी 299 और 67 संशोधित 2 का श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर सीड्स करनूल, आंध्रप्रदेश के साथ समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। विकसित की गई किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी अपना परचम लहरा रही है। उन्होंने बताया कि किसानों को कम लागत में अधिक पैदावार मिले इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा गत चार वर्षों के दौरान 50 से अधिक उन्नत किस्में विकसित की गई हैं।

इस कंपनी के साथ हुआ समझौता

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर सीड्स करनूल, आंध्रप्रदेश की कंपनी के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने तथा कंपनी से पी. सीएच. शंकरप्पा ने हस्ताक्षर किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-9-25	3	5

स्लोगन प्रतियोगिता में रितिका पोस्टर मेकिंग में प्रगति प्रथम

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के तत्वावधान में स्लोगन लेखन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में 29 तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 32 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता की थीम आइडियाज फॉर एंटरप्रेन्योरशिप थी। स्लोगन प्रतियोगिता में रितिका ने प्रथम व खुशबू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रगति ने प्रथम व खुशी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. राजेश कथवाल, डॉ. सुमन गहलावत व डॉ. सुभाष चंद्र उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	3.09.2025	---	--

हकृवि की उन्नत किस्मों का बीज किसानों तक पहुंचाने के लिए आंध्रप्रदेश की कंपनी से एमओयू

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों का बीज अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा ईजाद की गई हाईब्रिड बाजरा की उन्नत किस्में एचएचबी 299 और 67 संशोधित 2 का श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर सीड्स करनूल, आंध्रप्रदेश के साथ समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। विकसित की गई किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी अपना परचम लहरा रही है। उन्होंने बताया कि किसानों को कम लागत में अधिक पैदावार मिले इसके लिए

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

विश्वविद्यालय द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा गत चार वर्षों के दौरान 50 से अधिक उन्नत किस्में विकसित की गई है।

इस कंपनी के साथ हुआ समझौता

विश्वविद्यालय का श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर सीड्स करनूल, आंध्रप्रदेश की कंपनी के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा कंपनी से पी. सीएच. शंकरप्पा ने हस्ताक्षर किए।

किस्मों की खासियत

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एचएचबी 299 किस्म में अन्य किस्मों की तुलना में अधिक पैदावार मिलती है तथा यह रोगरोधी भी है। यह बाजरा की अधिक लौह युक्त (73 पी.पी.एम.)संकर किस्म है। इसके सिट्टे शंकुकार व मध्यम लंबे होते हैं। एचएचबी 299 किस्म 80-82 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। अच्छा रख रखाव करने पर यह किस्म 49.0 मन प्रति एकड़ तक पैदावार देने की क्षमता रखती है। यह किस्म जोगिया रोगरोधी है।

एचएचबी-67 संशोधित-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई थी। एचएचबी-67 संशोधित के नर जनक एच 77/833-2-202 को चिन्हित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी-67 संशोधित-2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण जैसे अतिशीघ्र पकना, शुष्क रोधिता, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता, अगेती, मध्यम व पछेती बुवाई के लिए उपयुक्तता आदि विद्यमान है। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 20 मन तथा 52 मन प्रति एकड़ है। यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व बाजरा की अन्य बीमारियों के रोगरोधी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	4-9-25	4	7-8

हकृवि में स्लोगन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

डॉ. एस.के. पाहुजा के साथ विजेता छात्राएं।

हिसार, 3 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के तत्वावधान में स्लोगन लेखन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में 29 तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 32 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता की थीम आइडियाज फॉर एंटरप्रेन्योरशिप थी। स्लोगन प्रतियोगिता में रितिका ने प्रथम व खुशबू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रगति ने प्रथम व खुशी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-9-25	9	3-4

स्लोगन प्रतियोगिता में रितिका ने पाया प्रथम स्थान

हिसार। डॉ. एसके पाहुजा के साथ विजेता छात्राएं।

■ हकृवि में स्लोगन लेखन व पोस्टर प्रतियोगिता

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लिट्रेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के तत्वावधान में स्लोगन लेखन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित की गई इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में 29 तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 32 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता की थीम आइडियाज फॉर एंटरप्रेन्योरशिप थी। स्लोगन प्रतियोगिता में रितिका ने प्रथम व खुशबू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रगति ने प्रथम व खुशी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. वेदेंद्र सिंह, डॉ. राजेश कथवाल, डॉ. सुमन गहलावत व डॉ. सुभाष चंद्र उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	3.09.2025	---	--

हकृवि में स्लोगन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्लोगन लेखन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में 29 तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 32 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. पाहुजा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतियोगिताओं में भाग लेने से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करनी चाहिए। स्लोगन प्रतियोगिता में रितिका ने प्रथम व खुशबू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रगति ने प्रथम व खुशी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।